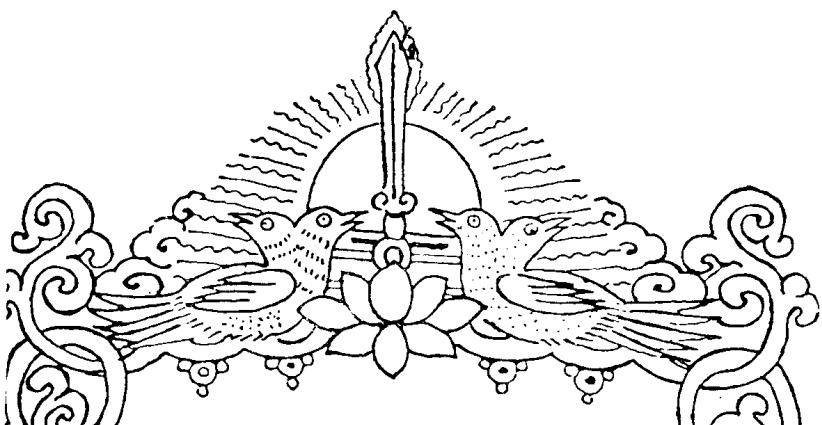


༄༅ ། བୁଦ୍ଧ ພାନ ດ ད୍ୱାରା ପ୍ରକାଶିତ  
ମେଲିକ ପ୍ରସାଦ ପଣ୍ଡା

ଆଜିନାଥ ପଣ୍ଡା



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନାଳ୍ମିଶ୍ର

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣପ୍ରକାଶନାଳ୍ମିଶ୍ର

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନାଳ୍ମିଶ୍ର

ନୟେ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ପ୍ରତିମା      ପତ୍ର·ଶ୍ରୀ  
ମୁଦ୍ରା·ଅହେଶ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ      ଗ୍ରହକେ·ପ୍ରତିମା

## ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ପ୍ରତିମା

ପତ୍ର·ମାଲାପାତ୍ରାଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ

ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ପତ୍ର·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ

ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ପତ୍ର·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ

ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ପତ୍ର·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ

ନୟେ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ      ISBN 7-5409-1451-3/B-31

ନୟେ·ଶ୍ରୀମାରଣ୍ୟକ      9.75

(川) 新登字002号

责任编辑：扎 西

封面设计：嘎玛次仁

技术设计：向 勇

**论藏传佛教的特点**

丹白尼玛著

---

四川民族出版社出版

(成都盐道街三号)

四川省新华书店发行

四川新华印刷厂印刷

---

开本787×1029毫米1/32

印张 10.25

插页 1

1996年9月第一版

1996年9月第一次印刷

字数 210 千

印数 1—6000册

---

ISBN7—5409—1451—3/B·31

定价 9.75元

## ମୁଦ୍ରାକଣ୍ଠ ପାତ୍ରମାନ

AUGUST



卷之三

ପାତ୍ରମାନଙ୍କ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପାତ୍ରମାନଙ୍କ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ





432483



五.二四.五.五

## ନୀତି କଣ

ଛୁମ୍ପାନନ୍ଦପୁରାଜନନ୍ଦପ୍ରେଷିତାମନ୍ତ୍ରିତ୍ତା	1
ଛୁମ୍ପାନନ୍ଦପୁରାଜନନ୍ଦପ୍ରେଷିତାମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାବେଳିରାଜ୍ୟମନ୍ତ୍ରିତ୍ତା	62
ରାଜ୍ୟମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାବେଳିରାଜ୍ୟମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାମନ୍ତ୍ରିତ୍ତା	63
୨ କୁମାରପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	64
(୧) ମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	64
(୨) ନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	67
[୧] କୁମାରପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	67
[୨] ସକୁମାରପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	72
୨ କୁମାରପରିଧରାଜନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	73
(୧) ଛୁମ୍ପାନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	73
[୧] ଶ୍ରୀକନ୍ଦମୁଦାମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	73
[୨] ପରିଧରାଜନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	79
<୧> ଶ୍ରୀକନ୍ଦମନ୍ତ୍ରିତ୍ତା	79
<୨> ପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	80
୩ ଶ୍ରୀକନ୍ଦମନ୍ତ୍ରିତ୍ତାଲୁହାପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	80
୪ ଅନ୍ତରାଜନନ୍ଦପରିଧରାଜନନ୍ଦପା	82
(୧) ପରିଧରାଜନନ୍ଦଶ୍ରୀକନ୍ଦମନ୍ତ୍ରିତ୍ତା	87

[?]	ହେତୁପ୍ରେଷଣି	82
<?>	ସାରାଚିନ୍ତନିକା	87
<?>	ଦୈର୍ଘ୍ୟବିନ୍ଧନାରୁଥିବାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	94
[?]	ପହଞ୍ଚପ୍ରେଷଣି	98
<?>	ପହଞ୍ଚପ୍ରେଷଣିଯାଏଣ୍ଟିରଥିବା	98
ଏ	ସାରାଚିନ୍ତନିକାରୁଥିବାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	98
ଏ	ସେଇକିମାତ୍ରାରୁଥିବାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	102
<?>	ପହଞ୍ଚପ୍ରେଷଣିରଦିଗିନ୍ତାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	105
ଏ	ରହିଥିବାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	105
(୮)	ଅର୍ଦ୍ଧରୁଥିବା	105
(୯)	କୃତ୍ୟାପଦମଧ୍ୟମା	113
[୧]	ଅର୍ଦ୍ଧରୁଥିବା	113
[୨]	କୃତ୍ୟାପଦମଧ୍ୟମା	115
<୩>	ସେଇଅର୍କଣ୍ଡାରୁଥିବା	115
<୪>	ଦୈର୍ଘ୍ୟବିନ୍ଧନାରୁଥିବାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	117
ଏ	ଶବ୍ଦରୀରଦିଗିନ୍ତାପଶ୍ଚମିକାରୀରୁଥିବା	117
(୫)	ଅର୍ଦ୍ଧରୁଥିବା	117
(୬)	କୃତ୍ୟାପଦମଧ୍ୟମା	118
[୭]	ମଦିଶପଟିକାରୁଥିବାକୁଠାକୁଠିରୁଥିବା	118
(୮)	ଅର୍ଦ୍ଧରୁଥିବା	118

〈၅〉	ကုသံယ်မရှင်းပါ	119
၁။	မခြားမှုများနှင့်မော်ပါ	119
၂။	ငါးမှုများမှုမြော်ပါ	119
၃။	အဲ့မှုနှင့်အောင်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	119
(၄)	မူသံနှင့်အောင်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	122
(၅)	မူသံနှင့်အောင်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	124
[၆]	မခြော်လွယ်ပေးနှင့်မြော်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	124
[၇]	ဖွံ့ဖြိုးနောင်နှင့်မြော်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	126
[၈]	မူသံယ်မကြော်နှင့်မြော်ပါ	127
[၉]	မြော်ဆွဲနှင့်မြော်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	127
〈၁၀〉	အဲ့မှုနှင့်မြော်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	127
၁။	မခြားမှုများနှင့်မော်ပါ	127
၂။	ငါးမှုများမှုမြော်ပါ	130
〈၁၁〉	အဲ့မှုနှင့်မြော်ဆိုရှိမှုမြော်ပါ	132
၁။	ပူးကြပ်ပြီးနှင့်ပါ	132
(၁)	မူသံမှုများနှင့်မော်ပါ	132
(၂)	ငါးမှုများမှုမြော်ပါ	133
[၁]	အုပ်စုမြော်ပါ	133
[၂]	ကုသံယ်မရှင်းပါ	135
[၃]	မူသံယ်မကြော်ပါ	136

॥	ନ୍ଦାନମ୍ବନ୍ଦପ୍ରେ।	137
(ମୀ)	ଶବ୍ଦମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	137
(ମୀ)	ନମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	139
<ଗୀ>	ଶ୍ଵରମୁଣ୍ଡମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	139
ମୀ	ଶବ୍ଦମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	139
॥	ନମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	141
<ଗୀ>	ଶ୍ଵରମୁଣ୍ଡମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	142
ମୀ	ଶବ୍ଦମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	142
॥	ନମୁଣ୍ଡମାନମାପି।	143
[ଗୀ]	ମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	144
<ଗୀ>	ଶବ୍ଦମୁଣ୍ଡମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	144
ମୀ	ଅନୁମାନମାପି।	144
॥	କୁଣିମାନମାପି।	145
(ମୀ)	ମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	145
[ମୀ]	ଶବ୍ଦମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	145
[ମୀ]	ଶବ୍ଦମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	147
(ମୀ)	ମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	148
[ମୀ]	ଶବ୍ଦମନ୍ତ୍ରମାନମାପି।	148
<ମୀ>	ଅନୁମାନମାପି।	148
<ମୀ>	କୁଣିମାନମାପି।	149

শি	শুন্দ' শ্রী দ' ন্দ' স' বেদ' শুন্দ' অসুন্দ' ..... ....	149
শি	শুন্দ' শ্রী দ' ন্দ' স' বেদ' শুন্দ' অসুন্দ' ন্দ' মণ' পা	151
[শি]	বদ' শুন্দ' পঞ্জ' মণ' পা	151
<শি>	বদ' শুন্দ' পঞ্জ' মণ' পা	151
<শি>	কৃষ' পর' পৰ' মণ' পা	152
<শি>	অসুন্দ' পৰ' ব' কেব' শ্রী শুন্দ' পঞ্জ' মণ' পা	153
(শি)	বদ' শ' শ্রী শুন্দ' পৰ' পুরৈ' ক' অ' পঞ্জ' ..... ....	154
[শি]	শুন্দ' শুন্দ' ন্দ' মণ' পা	154
[শি]	বদ' শুন্দ' পঞ্জ' মণ' পা	159
[শি]	কুন্দ' প' শুন্দ' পা	161
(শি)	বদ' শ' শ্রী শুন্দ' পঞ্জ' দ' ন্দ' মণ' শী' ন' প' ন' পু।	163
[শি]	বদ' ন' পু' ন্দ' সা	163
<শি>	পথ' বদ' ভু' শুন্দ' বদ' পঞ্জ' মণ' পা	163
<শি>	ন' ন' মণ' শ্রী' শুন্দ' প' ন' পু' কৃষ' পর' প' মণ' পা	166
শি	বদ' অ' বদ' কুন্দ' ভু' শুন্দ' ন্দ' ..... ....	166
(শি)	বদ' শুন্দ' পঞ্জ' মণ' পা	166
(শি)	কৃষ' পর' প' মণ' পা	167
[শি]	বদ' কুন্দ' ভু' শী' শ' শী' শুন্দ' পু' পা	167
[শি]	বদ' শ' শ্রী' শুন্দ' পু' পুরৈ' কন্দ' বেদ' ন্দ' মণ' প' প' মণ' পা	168

[८]	द्विनीप्रश्नप्रृष्ठि'क्वचिशुद्धार्हकृदमप्रश्नविद्या	168
(९)	नीचिष्ठमस्तव्यसुव्यद्यमाया	169
शु	अस्तव्यसुव्यद्यव्यव्युत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	169
(१०)	वर्तनप्रश्नविद्या	169
(११)	क्षुश्यद्यप्रश्नविद्या	170
[१२]	स्वप्नव्युत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	170
[१३]	पद्मव्युत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	171
[१४]	कृप्यद्विनीप्रश्नप्रृष्ठि'क्वचिशुद्धार्हविद्यविद्या	172
(१५)	हेत्यामसुव्यद्यमायस्त्वायव्यव्युत्प्रविद्या	172
१६	नीचिष्ठव्यव्युत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	173
[१७]	यत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	175
[१८]	व्यव्युत्प्रविद्या	175
[१९]	ब्रह्मव्युत्प्रविद्या	176
श्री	स्वप्नव्यविक्षेपण्डिप्रश्नविद्या	176
शु	क्षेपण्डिप्रश्नविक्षेपण्डिप्रश्नविद्या	178
१०	क्षेपण्डिप्रश्नविक्षेपण्डिप्रश्नविद्या	180
श्री	वर्तनप्रश्नविद्या	180
११	क्षुश्यद्यप्रश्नविद्या	180
(१२)	पद्मव्युत्प्रविष्टिव्यव्युत्प्रविद्या	180